राज्यपाल सचिवालय, बिहार
(जन–सम्पर्क शाखा)
बिहार लोक भवन, पटना–800022

प्रेस–विज्ञप्ति

संख्या–141/2026

राज्यपाल ने नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत संकल्प अभियान के शुभारंभ समारोह में विडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए भाग लिया

- **युवाओं से चरित्र, अनुशासन और आत्मसम्मान को जीवन का आधार बनाने का किया आह्वान**

पटना 02 अगस्त, 2026 :– माननीय राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल सैयद अता हसनैन (सेवानिवृत्त) ने आज बिहार लोकभवन से ''नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत संकल्प अभियान'' के शुभारंभ समारोह में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए भाग लिया। इस अवसर पर माननीय मुख्यमंत्री श्री सम्राट चौधरी भी उनके साथ उपस्थित थे। अभियान का वर्चुअल शुभारंभ माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने किया। जनभागीदारी के माध्यम से युवाओं को नशा मुक्ति के राष्ट्रीय अभियान से जोड़कर इसे जनआंदोलन का स्वरूप देना इस अभियान का प्रमुख उद्देश्य है।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राज्यपाल ने कहा कि जब भी वे युवाओं के बीच आते हैं, उन्हें भारत का भविष्य दिखाई देता है। भारतीय सेना में चार दशक से अधिक समय तक सेवा के अपने अनुभव साझा करते हुए उन्होंने कहा कि किसी सैनिक की सबसे बड़ी शक्ति उसका हथियार नहीं, बल्कि उसका चरित्र और अनुशासन होता है। हथियार चलाना सिखाया जा सकता है, प्रशिक्षण दिया जा सकता है, किंतु अच्छा चरित्र आत्मसंयम और आत्मअनुशासन से ही विकसित होता है।

उन्होंने कहा कि यह अभियान युवाओं को आत्मसम्मान का महत्व समझाने का भी अभियान है। सम्मान सही निर्णयों और अच्छे आचरण से अर्जित होता है। युवाओं को समय–समय पर स्वयं से यह प्रश्न करना चाहिए कि क्या वे अपनी पूरी क्षमता के साथ जीवन जी रहे हैं और क्या उनके माता–पिता उन पर गर्व करेंगे। ऐसे प्रश्नों के सकारात्मक उत्तर ही सच्चे आत्मविश्वास का आधार बनते हैं।

राज्यपाल ने कहा कि नशा स्वास्थ्य के साथ–साथ आत्मसम्मान का भी प्रश्न है। यह व्यक्ति को सच्चाई से दूर ले जाता है, जबकि सम्मान और अनुशासन कठिन परिस्थितियों का सामना करने की शक्ति देते हैं। नशा व्यक्ति को कमजोर बनाता है, जबकि अनुशासन उसे मजबूत बनाता है।

आगे पृष्ठ 2 पर.....

उन्होंने कहा कि जीवन में असफलताएँ और निराशाएँ आती हैं, लेकिन कोई हार अंतिम नहीं होती। हर असफलता नया सबक देती है और हर ठोकर इंसान को पहले से अधिक मजबूत बनाती है। युवाओं से उन्होंने आग्रह किया कि वे निराशा को कभी अपनी पहचान न बनने दें और न ही उसे नशे की ओर बढ़ने का कारण बनने दें।

राज्यपाल ने कहा कि बिहार प्रतिभा और ज्ञान की भूमि है। नालंदा की गौरवशाली विरासत आज भी पूरी दुनिया के लिए प्रेरणा है। इस विरासत को आगे बढ़ाने की जिम्मेदारी आज के युवाओं की है। उन्होंने हाल ही में भारतीय सैन्य अकादमी में प्रतिष्ठित स्वॉर्ड ऑफ ऑनर प्राप्त करने वाले बिहार के युवा विशाल कुमार का उल्लेख करते हुए कहा कि उनका जीवन अनुशासन, परिश्रम और समर्पण का प्रेरक उदाहरण है।

उन्होंने कहा कि मजबूत बिहार और विकसित भारत का सपना तभी साकार होगा, जब देश का युवा स्वस्थ, नशामुक्त और अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित होगा। उन्होंने युवाओं से अपने आत्मसम्मान की रक्षा करने, माता–पिता का नाम रोशन करने तथा अपने गाँव, शहर और राज्य का गौरव बढ़ाने का संकल्प लेने का आह्वान किया।

राज्यपाल ने कहा कि किसी भी राष्ट्र का भविष्य सबसे पहले उसके युवाओं के चरित्र में आकार लेता है। उन्होंने युवाओं से अपने चरित्र को मजबूत बनाने, अपने सम्मान की रक्षा करने और विकसित भारत के निर्माण में सक्रिय योगदान देने का आह्वान किया।

कार्यक्रम को माननीय मुख्यमंत्री तथा ब्रह्माकुमारी वर्णिका ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर राज्यपाल ने प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय द्वारा दस करोड़ नशा मुक्ति प्रतिज्ञा महाभियान के शुभारंभ हेतु पोस्टर का लोकार्पण किया तथा 5 ब्रह्माकुमार व कुमारी को ध्वज प्रदान किया। उपस्थित सभी लोगों द्वारा किसी भी प्रकार के नशीले अथवा मादक पदार्थ का सेवन नहीं करने एवं दूसरों को भी नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित करने का संकल्प भी लिया गया।

बिहार लोकभवन में आयोजित इस कार्यक्रम में मुख्य सचिव श्री प्रत्यय अमृत, राज्यपाल के अपर मुख्य सचिव श्री दीपक कुमार सिंह, अन्य पदाधिकारीगण माई भारत व एनएसएस स्वयंसेवक, एनसीसी कैडेट्स, आपदा मित्र, ब्रह्माकुमार एवं ब्रह्माकुमारियाँ तथा अन्य लोग उपस्थित थे।

.....